जोधपुर एक्सप्रेस
सांध्य दैनिक

जस्टिस व्यास ने किया गणेश मंदिर की व्यवस्थाओं का निरीक्षण

दर्शन कर प्रदेश के लिए की मंगल कामना

जोधपुर। राजस्थान राज्य मानवाधिकार आयोग के अध्यक्ष जस्टिस गोपाल कृष्ण व्यास ने गणेश चतुर्थी की पूर्व संध्या पर सोमवार को जोधपुर के रातानाडा गणेश मंदिर परिसर की व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। इस दौरान जस्टिस व्यास ने संबंधितों को गणेश चतुर्थी के अवसर पर मंदिर आने वाले दर्शनार्थियों के लिए सुगम व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के समय अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नाजिम अली, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक दीपचंद सहित अन्य प्रशासनिक अधिकारी तथा मंदिर प्रशासन के पदाधिकारी उपस्थित रहे। जस्टिस व्यास ने सपत्नीक रातानाडा गणेश जी में दर्शन कर प्रदेश में खुशहाली की प्रार्थना भी की।

पत्रिका

राज्य मानवाधिकार आयोग अध्यक्ष आज करेंगे जनसुनवाई

फलोदी. राजस्थान राज्य मानवाधिकार आयोग के अध्यक्ष गोपालकृष्ण व्यास बुधवार को फलोदी आएंगे। इस दौरान वे निर्धारित कार्यक्रम अनुसार दोपहर 12.30 सर्किट हाउस में जनसुनवाई व लम्बित प्रकरणों की सुनवाई करेंगे। शाम 5:30 बजे जोधपुर के लिए प्रस्थान करेंगे। अपनी यात्रा के दौरान आयोग अध्यक्ष की ओर से किसी भी पुलिस थाना, राजकीय चिकित्सालय, राजकीय छात्रावास व बाल सुधारगृह का औचक निरीक्षण किया जा सकता है।

20/09/2023 | Jodhpur City | Page : 14
Source : https://epaper.patrika.com/

दैनिक
जलते दीप

वक्रतुण्ड महाकाय सूर्य कोटि समप्रभ...

गणेश चतुर्थी पर घर-घर बिराजे गणपति, हजारों प्रतिमाएं स्थापित, अनंत चतुर्दशी पर होगा विसर्जन, मंदिरों में दर्शन के लिए लगी श्रद्धालुओं की भीड़

जोधपुर, 19 सितम्बर (कासं)। विघ्नहर्ता गणपति महाराज का जन्मोत्सव यानि की गणेश चतुर्थी पर्व सूर्यनगरी में मंगलवार को धूमधाम व श्रद्धापूर्वक मनाया गया। इस अवसर पर मंदिरों के साथ घरों में भी भगवान गणेश की पूजा-अर्चना की गई। मंदिरों में स्थापित गजानन को विभिन्न तरह की रत्नजड़ित पोशाक और सोने-चांदी के मुकुट धारण करवाए गए। गणेश मंदिरों में कई धार्मिक कार्यक्रम आयोजित हुए। यहां दिनभर श्रद्धालुओं की दर्शनों के लिए भीड़ लगी रही। शहर के प्रमुख गणेश मंदिर रातानाडा स्थित गणेश टेकरी, सोजती गेट

स्थित गणेश मंदिर, इश्किया गजानंदजी मंदिर के साथ ही शहर के सभी गणेश मंदिरों पर गणेश चतुर्थी पर दिनभर धार्मिक अनुष्ठानों का आयोजन किया गया। इसके साथ ही विभिन्न कॉलोनियों, मौहल्लों और व्यापारिक क्षेत्रों में शुभ मुहूर्त्त में गणेश प्रतिमाओं की स्थापना की गई जिनका अनंत चतुर्दशी पर विसर्जन होगा। उत्सव को लेकर शहर में जगह-जगह आकर्षक पांडाल सजाए गए है। रातानाडा स्थित गजानन मंदिर में आज से नौ दिन तक चलने वाले महोत्सव की शुरुआत हो गई। चतुर्थी के दिन आज भगवान गजानन का पांच नई पोशाक और गहनों के साथ श्रृंगार किया गया। मंदिर में आज सुबह भगवान गणेश की महाआरती हुई। महोत्सव का आगाज ध्वजारोहण के साथ किया गया। इसमें भगवान गजानन का विशेष श्रृंगार के साथ 51 हजार सूखे मेवे से बने लड्डुओं का भोग लगाया गया। प्रगट गजानंद महाराज मंदिर में गणेश चतुर्थी पर सुबह से श्रद्धालुओं की भीड़ उमडने लग गई। यहां भगवान गणेश और रिद्धि-सिद्धि का विशेष श्रृंगार किया गया। मंदिर परिसर में आकर्षक रोशनी की गई। सुबह संतों के सान्निध्य में आरती हुई। इसके बाद शुभ मुहूर्त्त में मंदिर पर ध्वजारोहण किया।

यहां हुए धार्मिक कार्यक्रम- सोजती गेट गढ़ लंबोदर गणेश मंदिर व जूनी धान मंडी स्थित गुरु गणपति मंदिर में भी विशेष धार्मिक आयोजन किए गए। इसके अलावा भीतरी शहर में जूनी मंडी स्थित इश्किया गजानंद मंदिर, सिद्धि विनायक मंदिर, जूनाखेड़ापति हनुमान मंदिर में भी दिनभर भीड़ रही। विद्याशाला चांदपोल के पास सिद्धेश्वर गणेश मंदिर में विशेष सजावट की गई। गणेश महोत्सव समिति गणेश मंदिर गणेश चौराहा प्रताप नगर की ओर से गणेश चतुर्थी महोत्सव धूमधाम से मनाया गया। आयोजन समिति संयोजक सुरेन्द्र शर्मा ने बताया कि सुबह महाआरती कर प्रथम पूज्य को 201 किलो का एक लड्डू चढ़ाया गया। माता का थान मुख्य मार्ग पर चतुरावता का बेरा आवासीय बस्ती में गणेश प्रतिमा स्थापित की गई। क्षेत्रीय निवासी जगदीश देवड़ा ने बताया कि सुबह ब्रह्म मुहूर्त में पूजन व आरती कर प्रतिमा स्थापित की गई। इसी प्रकार चांदपोल के बाहर किला रोड स्थित प्राचीन दक्षिण मुखी सिद्धेश्वर गणेश मंदिर में पंडित अश्वनी ओझा के सानिध्य में भगवान गणपति का षोडशोपचार पूजन किया। जिसमें राजकुमार जोशी, महेश जोशी, स्नेहलता, डिंपी जोशी, अनुराग ओझा व सुमित जोशी ने भाग लिया। ट्रस्ट के अध्यक्ष परसराम जोशी ने बताया कि राज्य मानवाधिकार आयोग के अध्यक्ष जस्टिस गोपालकृष्ण व्यास ने मंदिर में सपत्नीक दर्शन किए तथा व्यवस्थाओं का जायजा लिया। हनुमान वाटिका मोहल्ला विकास समिति द्वारा गणेश स्थापना के साथ भजन संध्या का आयोजन किया गया

गोल बिल्डिंग चौराहा पर विराजे सिद्धि विनायक- अष्टधातू निर्मित 51 किलो वजनी गणेश प्रतिमा की स्थापना मंगलवार को गणेश चतुर्थी पर्व पर उमंग व उल्लास के साथ गोल बिल्डिंग चौराहा पर की गई। बड़ा रामद्वारा सूरसागर के संत कल्याणदास महाराज ने प्रतिमा की स्थापना की। स्थापना से पूर्व खेमे का कुआं से प्रतिमा को जुलूस के रूप में गोल बिल्डिंग चौराहा पर लाया गया। इसके बाद विधि विधान के साथ गणेश प्रतिमा स्थापित की गई। गणेश महोत्सव समिति के प्रवक्ता अरूण माथुर ने बताया कि गणेश उत्सव के दौरान प्रतिदिन धार्मिक कार्यक्रमों के आयोजन किए जाएंगे। गणेश प्रतिमा स्थापना पर पण्डित राजेन्द्र पुरोहित ने प्रतिमा की पूजा अर्चना की जिसमें समिति के संयोजक मुकेश लोढ़ा, ओमशक्ति संगठन के अध्यक्ष हेमराज शर्मा, दयाराम सियोटा, महेश भट्टड़, ओमप्रकाश सोनी, राजेन्द्र शर्मा, निरंजन चैधरी, देवीसिंह सोलंकी, सुधांशु टाक, अमृतलाल हलवाल, सुरेश प्रजापत, रमेश गोयल, प्रेमराज नानेचा, टीकमचंद चांदोरा, बाबूलाल गुंगावन, रामस्वरूप प्रजापत, नरपत रोपिया, छिनाराम प्रजापत व मुकेश लोढ़ा जूनियर आदि ने विधि विधान के साथ गणेश प्रतिमा की पूजा अर्चना की।

उच्छिष्ट गणपति के मंदिर में उमड़ी दर्शनों के लिए भीड़- किला रोड सिंघोडियों की बारी के पास महादेव अमरनाथ एवं नवग्रह मन्दिर के प्रांगण में स्थित उच्छिष्ट गणपति का मंदिर आज शाम खुला। यह मंदिर साल में एक बार ही दर्शनार्थियों के लिए खोला जाता है। पंडित कमलेश दवे ने बताया किइस दौरान श्रद्धालुओं की भारी भीड उमडी। उच्छिष्ट गणपति 51 गणपति नाम में से आठवें स्थान पर आते हैं और इसलिए यह सबसे पावरफुल फल देते हैं। कहा जाता है कि इनके दर्शन से व्यापार वृद्धि, विद्या, नौकरी, संतान और विवाह की बाधाएं भी दूर होती हैं। मूर्ति का आकर्षण ऐसा है कि जो इसका एक बार दर्शन करता है उसे कई दिनों तक स्मृति रहती है।

आयुर्वेद विवि में गणपति की स्थापना- राजस्थान आयुर्वेद विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. प्रदीप कुमार प्रजापति के सान्निध्य में विद्यार्थियों द्वारा परिसर में गणपति प्रतिमा की स्थापना कर महोत्सव का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर कुलपति ने भगवान गणेश की तरह समर्पण भाव, कर्तव्य परायणता तथा रचनाधर्मिता को जीवन में उतारने की सलाह दी। इस अवसर पर कुलपति आवास के निर्माण का नींव पूजन कर शिलान्यास किया गया।

इस अवसर पर प्रो. गोविन्द सहाय शुक्ला, प्रो.राजेश भारद्वाज, प्रो. चन्दन सिंह, प्रो.राजेश गुप्ता, प्रो.गोविन्द गुप्ता, डॉ.ऋतु कपुर, डॉ.चन्द्रभान शर्मा, डॉ.ब्रह्मानंद शर्मा, डॉ.राकेश शर्मा, डॉ. देवेन्द्र चाहर, डॉ.विजयपाल त्यागी, डॉ. मनीषा गोयल, डॉ. संगीता चाहर व डॉ. दिनेश शर्मा उपस्थित रहे। उधर श्री गणेश पूजा महोत्सव सेवा समिति आयोजक किशन सागर ने बताया कि कुड़ी भगतासनी हाउसिंग बोर्ड स्थित सेक्टर 2 के सामुदायिक भवन के सामने श्री गणेश भगवान की मूर्ति स्थापना की गई।

दैनिक
जलते दीप

जस्टिस व्यास को 'भारत रौ संविधान' पुस्तक की प्रति भेंट

जोधपुर, 19 सितंबर (कासं)। डॉ मीनाक्षी बोराणा पूर्व विभागाध्यक्ष राजस्थानी विभाग द्वारा अनुवादित पुस्तक भारत रौ संविधान की प्रति अध्यक्ष, मानवाधिकार आयोग राजस्थान गोपाल कृष्ण व्यास को भेंट की। राजस्थानी भाषा , साहित्य एवं संस्कृति अकादमी बीकानेर की ओर से प्रकाशित इस पुस्तक की महत्वपूर्ण भूमिका भी श्री व्यास ने ही लिखी है।

Main Edition
Sep 20, 2023 Page No. 2
Powered by : eReleGo.com

राज्य मानवाधिकार आयोग अध्यक्ष जस्टिस व्यास आज आएंगे फलौदी

फलौदी (हुक्मनामा समाचार)। राजस्थान राज्य मानवाधिकार आयोग के अध्यक्ष जस्टिस गोपालकृष्ण व्यास आज बुधवार,20 सितंबर को फलौदी आयेंगे।

निर्धारित कार्यक्रम अनुसार मध्याह्न 12.30 सर्किट हाउस में जनसुनवाई व लम्बित प्रकरणों की सुनवाई करेंगे एवं सायं 5.30 बजे जोधपुर के लिए प्रस्थान करेंगे।अपनी यात्रा के दौरान् आयोग अध्यक्ष द्वारा किसी भी पुलिस थाना, राजकीय चिकित्सालय, राजकीय छात्रावास तथा बाल सुधारगृह का औचक निरीक्षण भी संभावित है।यात्रा में उनके साथ राज्य मानवाधिकार आयोग के रजिस्ट्रार शैलेन्द्र व्यास भी साथ रहेंगे।

जस्टिस व्यास को भेंट की 'भारत रौ संविधान' पुस्तक

जोधपुर (हुक्मनामा समाचार)। जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय राजस्थानी विभाग की पूर्व विभागाध्यक्ष डॉ. मीनाक्षी बोराणा द्वारा अनुवादित पुस्तक 'भारत रौ संविधान' की प्रति राज्य मानवाधिकार आयोग के अध्यक्ष गोपाल कृष्ण व्यास को भेंट की। राजस्थानी भाषा , साहित्य एवं संस्कृति अकादमी बीकानेर की ओर से प्रकाशित इस पुस्तक की महत्वपूर्ण भूमिका भी गोपाल कृष्ण जी ने ही लिखी है। जिसमें आपने लिखा है कि भारतीय संविधान लागू होने के बाद भारत देश में प्रजातंत्र की जड़ें मजबूत हुई है। क्यूंकि भारत जब स्वतंत्र हुआ तब हमारे देश की कुल जनसंख्या 35 करोड़ थी और आज यह 135 करोड़ से भी ज्यादा है। फिर भी केंद्र और राज्य की सरकारें भारतीय संविधान के अनुसार काम कर रही है।